



## पीएम ने स्पीकर के साथ नया संसद भवन देश को किया समर्पित, संगोल लोकसभा में स्थापित नया भवन, नये भारत के सृजन का आधार बनेगा : मोदी

### एक भारत-श्रेष्ठ भारत का दर्शन है यह भवन

एजेंसी

नवी दिल्ली। पीएम मोदी ने रविवार को लोकसभा अध्यक्ष औम बिला के साथ देश के नये संसद भवन को राष्ट्र को समर्पित किया। नवी लोकसभा के सदन में पवित्र संगोल (राजदंड) को ओढ़ा के साथ प्रतिष्ठित किया। अपने संबोधन में मोदी ने नये संसद भवन को 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं और सपनों का प्रतिविवर बताते हुए कहा कि इसमें देश की सुमुद्र विरासत, कला, गौरव, संस्कृति तथा सर्विधान के स्वर हैं और यह नये भारत के सृजन का आधार बनेगा।

**गुडगांव में झारखण्ड का नानव तस्कर धराया**  
रांची। झारखण्ड के एक मानव तस्कर को हारयामा में गुडगांव पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह दो बच्चियों को बहाल-फुसलाकर दिल्ली ते जा रहा था। एक बच्ची की तीव्रीय बिंदी, तो भोजपुर स्टेनन पर उसे छेड़ कर भग गया। दूसरी बच्ची अब भी लापता है। गिरफ्तार आरोपी मनोहरपुर के छोटानगरा क्षेत्र का वर्तित मानव तस्करी मामले का मुख्य आरोपी है। उसका नाम अलीबीस टोपों है।

**नये संसद भवन निर्माण में झारखण्ड के दो सम्मानित**

नवी दिल्ली। नये संसद भवन के निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाले कुछ कर्मचारियों को शैल और सृष्टि चिह्न भेट कर पीएम ने सम्मानित किया। इनमें दो भारतीय राम सुरु और मुजफ्फर खान झारखण्ड के हैं। भारतीय राम सुरु ने साइट पर ख्याली अभियान का खाला रखा, जबकि मुजफ्फर खान मेंकिक है। निर्माण के दौरान मरीजों थीं, उनमें गडबडी आपे पर बनाने की जिम्मेदारी इनकी ही थी।

**अंगाती रायुद्ध ने संघ्यास की घोषणा कर दी**

नवी दिल्ली। वेन्नर्स सुपर किंस के धारक बल्लेबाज अंगाती रायुद्ध ने आईपीएल 2023 के खितान मुकाबले से ठीक पहले संघ्यास का ऐलान किया है। उन्होंने टिकटर पर ऐलान किया है कि युजरान टाइटंस के खिलाफ आखिरी बार वह

आईपीएल खेलने नजर आयेंगे।

**कोयल नदी ने द्वे दो बच्चे, एक की मौत**

गुमला। धार्या इलाके में कोयल नदी के किनारे खेलने के दौरान दो बच्चे नदी में डूब गए। एक बालक को तो बहा लिया गया, जबकि दूसरे की डूबने से मौत हो गयी। हादसा रविवार की दोपहर में हुआ। पीएम से दो बच्चे नदी में जा गिरे। एक के लोगों ने अनीश नामक बालक को किसी तरह नदी से निकाल लिया। अनुत उरांव (8) नाम के बालक काफी देर बाद नदी से निकाला जा सका। अस्पताल में डाकरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

**अनियोनित ट्रक पलटा**

दुमका। जिले के मुकुरसिल थाना क्षेत्र के दुमका-रामपुराण मुख्य पथ पर कारायोजित रायवार दोपहर एक ट्रक अनियोनित होकर पलटा गया। धाना में घायल ट्रक बालक की इलाज के दौरान मौत हो गयी। उसकी शिनारक छपरा जिले के कोया थाना क्षेत्र के चादा टोला गांव निवासी धारेलाल कुमार राय (25) के रूप में हुई।

**झारखण्ड कबाइड एक्जाम नौ जुलाई को**

रांची। झारखण्ड कबाइड एंटरेंस कॉम्प्लेटिव एग्जामिनेशन बोर्ड (जेरीसीइडीबी) नौ जुलाई को झारखण्ड कबाइड एग्जामिनेशन आयोजित करेगा। इसके लिए 29 मई से ऑनलाइन के माध्यम से एप्लीकेशन जमा लिए जायेंगे।



**राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति ने जतायी खुशी**  
नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्वारा प्रभु मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को पीएम मोदी द्वारा नए संसद भवन का उद्घाटन किये जाने का ख्याल किया। राष्ट्रपति ने कहा कि यह पूरे देश के लिए एवं तथा अपने हृषी की बात है। अपने संसद में राष्ट्रपति ने कहा कि यह भवन संसद के इतिहास में सुनहरे शब्दों में लिखा जायेगा। नया संसद भवन हमारी लोकसभा अध्यक्ष यात्रा में उपराष्ट्रपति भारत के सभी लोगों के पाथ पर आया है। इसका उद्घाटन भारत के उपराष्ट्रपति हरिहर ने गोपनीय का संसद पदक सुनाया। वही उपराष्ट्रपति नी धनखड़ ने कहा-भारत के विकास का गवाह बनेगा नया संसद भवन। नया संसद भवन राजीनीति का विकास करने में मदद करेगा और गुलामी की मानसिकता से आजादी का प्रतीक बनेगा।

वास्तु, विरासत, कला, कौशल, संस्कृति और सर्विधान भी है। लोकसभा का अंतरिक्ष दिस्सा राष्ट्रीय पंक्ति मोर पर आधारित है, राज्यसभा का अंतरिक्ष दिस्सा राष्ट्रीय पूर्व कमल पर आधारित है। संसद के प्रांगण में राष्ट्रीय वृक्ष बरगद भी है।

नये संसद भवन का उद्घाटन पूरे विधिविधान के साथ में हुआ। संगोल को लेकर पीएम मोदी ने कहा कि जब भी संसद भवन की कार्रवाही शुरू होगी तो वह यह संगोल हम सभी को प्रेरणा देता रहे। भारत आज वैश्विक लोकतंत्र का बड़ा आधार नई गति और शक्ति प्रदान करेगी। इसमें चाहिए। उन्होंने कहा, नया संसद भवन, नये भारत के सृजन का आधार बनेगा। पीएम मोदी को कहा कि यह अमृतकाल का आहान है। मुक्त मातृभूमि को नवीन मान चाहिए। नवीन पर्व के लिए, नवीन प्राण चाहिए। मुक्त गीत हो रहा, नवीन राग चाहिए। नवीन पर्व के लिए, नवीन प्राण

मोदी ने कहा कि इस ऐतिहासिक अवधार पर कुछ देर पहले संसद की नयी इमारत में पवित्र संगोल की भी स्थापना हुई है। संसद के प्रांगण में राष्ट्रीय वृक्ष बरगद संगोल को कत्तव्य पृष्ठ का, सेवा पथ का, राष्ट्र पथ का प्रतीक माना जाता था। राजा जी और अधिनम के संतों के मार्ग दर्शन में यहीं संगोल सता के हस्तांतरण का प्रतीक बना था। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह नया भवन हमारे त्वरितता सेनानियों के सपने का साकार करने का साधन बनेगा। यह नया भवन

## नीति आयोग की बैठक से रांची लौटे सीएम हेमंत, कहा गांवों की प्रगति पर ही राज्य का विकास निर्भर

### झारखण्ड के हित में रखी बैठक में अपनी बात

खबर मन्त्र व्याप्र

गंगी। नवी दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित नीति आयोग की शासी परिषद की 8वीं बैठक में शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सेरेन रांची रविवार को रांची लौटी आये हैं। इस बैठक में उन्होंने झारखण्ड के हित में अपनी बातें रखी हैं। रांची लौटेने के बाम में भागवान विश्वास मुंडा एवरेस्ट पर मुख्यमंत्री ने पत्रकरों से कहा कि पीएम मोदी का कहना है कि राज्य का विकास होगा, यहां देश का राज्य का विकास होगा। ऐसे में राज्य को जगबूती से अपनी बांगों को रखेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य विवरण वर्ष में निवेश को प्राप्तान्वित होंगे। वहां संसद भवन के उद्घाटन पर पूरे गए सवाल पर मुख्यमंत्री से अपनी बांगों को रखेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य विवरण वर्ष में निवेश को प्राप्तान्वित होंगे। वहां संसद भवन के उद्घाटन पर पूरे गए सवाल पर क्या हुआ ? यह भी पूछा जाना चाहिए।



से ही राज्य का विकास होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि नीति आयोग की शासी परिषद की 8वीं बैठक में उन्होंने झारखण्ड के परिषेक में हाने अपनी बांगों को रखेंगे। एक बाम में भागवान विश्वास में निवेश को प्राप्तान्वित होंगे। वहां संसद भवन के उद्घाटन पर पूरे गए सवाल पर मुख्यमंत्री से अपनी बांगों को रखेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य विवरण वर्ष में निवेश को प्राप्तान्वित होंगे। वहां संसद भवन के उद्घाटन पर पूरे गए सवाल पर क्या हुआ ? यह भी पूछा जाना चाहिए।

के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक मूलभूत सुविधाओं को पहुंचाने के महत्वपूर्ण प्रयास किये गये हैं। बैठक में उपराष्ट्रपति संघीय सदनों को विश्वास लाया है कि झारखण्ड देश के साथ क्षेत्र से कंधा के प्रयोग के लिए बाम के साथ विवरण वर्ष में निवेश को प्राप्तान्वित होंगे। आज वहां संसद भवन के उद्घाटन पर पूरे गए सवाल पर क्या हुआ ? यह भी पूछा जाना चाहिए।

सरकार के स्तर पर प्रयासों से निवेशकों में विश्वास किया जायेगा। इस बैठक में 18 दलों के लिए शामिल होंगे। हालांकि अभी तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। बातावा जा रहा है कि इस बैठक में 2024 लोकसभा चुनाव को लेकर राजनीति बनावी जाएगी। हालांकि अभी तक वह तय नहीं हुआ है कि बैठक पर जनावरों के लिए नीतीश लगातार भारतीय शामिल होंगे। 18 दलों के लिए शामिल होने की बात सामने आ रही है। बैठक में लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर राजनीति बनावी जाएगी। हालांकि अभी तक वह तय नहीं हुआ है कि बैठक पर जनावरों के लिए नीतीश लगातार भारतीय शामिल होंगे। इस बैठक में लोकसभा चुनाव को लेकर नीतीश लगातार भारतीय शामिल होने की बात सामने आ रही है। बैठक में लोकसभा













## स्पैड न्यूज़

शंखु प्रसाद बने शिक्षा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष

रामगढ़। अखिल भारतीय कार्यशक्ति महासभा के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार सिन्हा ने भुरकुंडा निवासी सेवा निवृत्त प्रोफेसर डॉ शंखु प्रसाद को महासभा के शिक्षा प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। उन्होंने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है की आप अखिल भारतीय कार्यशक्ति महासभा की मजबूती के लिए कार्य करते हुए सगटन के शिक्षा प्रकोष्ठ से जिलाध्यक्ष के लोगों को जोड़ते हुए समाज के लोगों के हित में कार्य करेंगे। श्री सिन्हा ने प्रोफेसर डॉ शंखु प्रसाद से महासभा के शिक्षा प्रकोष्ठ की जिला समिति का विस्तार 15 दिनों के अंदर कर लेने को कहा है। डॉ शंखु प्रसाद ने अपने मनोनीत पर कहा कि वे महासभा के शिक्षा प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष मनोनीत करने के लिए जिलाध्यक्ष अरुण कुमार सिन्हा का आभार व्यक्त करते हैं।

## पैकी ने निकली भव्य कलश यात्रा



कुरु। नगर परिषद क्षेत्र के पैकी में नव मिर्जित हनुमान मंदिर में श्री 1008 श्री हनुमान प्राण प्रतिष्ठा पूजा विद्यार्थी महायज्ञ को लेकर रविवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई। मडप

परिसर से गाजे-बाजे के साथ निकली। कलश यात्रा में करीब 251 से अधिक संख्या में नव कलश यात्रा एवं महिला श्रद्धालु शामिल हुए। कलश यात्रा में नगर परिषद के उपाध्यक्ष मनोज कुमार महतो, आजसू माझू विधानसभा प्रभारी तिवारी महतो, लिला संगठन सचिव युजु सिंह, राजेंद्र कुमार महतो समेत कई लोग शामिल हुए। राजेंद्र कलश यात्रा के लिए प्रसन्नता दामदर नव पहुंचे याहा यज्ञाचार्य पंडित गंगा तिवारी, पुरोहित पंडित नितेश तिवारी समेत ने अन्य पंडितों ने यजमान बने डालवंद महतो, खेमलाल महतो, राजेश महतो, प्रदीप महतो, दिलेश्वर महतो नेपाल महतो सप्तरीकों को विधिवत पूजा अर्चना कराया। इसके बाद सभी प्रदालु जलभरी कर मार्श में कलश को लेकर मडप परिसर पहुंचे, जहां कलश को स्थापित किया गया। मोके पर काफी संख्या में श्रद्धालु शामिल थे।

## तीन दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू



माझू। माझू बाजार टांड स्थित दिलीप सुहास स्टेडियम में आयोजित तीन दिवसीय माझू क्रिकेट प्रीमियर लीग नाईट का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि लुटु योगा भारती के प्रांतीय उपाध्यक्ष विजय मेवाड़ ने फोटो काटकर किया। मोके पर उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्तमावद्धन किया। बड़ी की संख्या में मैजूद खेल प्रेमियों के बीच, उद्घाटन समारोह में समाज सेविका नैना मेड, मुखिया अनिता देवी मुखिया बैजनाथ राम, शाहिद सिंह, समाजसेवी बालभूषण भूर्जीया, राजेंद्र कुमार संसारोह, राजेंद्र कुमार प्रसाद, छोटाला भूर्जीया मौजूद थे। मंच का सचालन अतह अली और सदीप करमाली ने किया। दो पंचायतों के बीच होने वाले इस मैच का पूरा ताना बाना भारतीय दिवसीय क्रिकेट टीम के कोच जितेंद्र कुमार ने किया। विजय मेवाड़ ने कहा माझू जैसा ग्रामीण इलाका सिर्फ़ खेती के लिए नहीं बल्कि अवृत्त अवृत्त दर्जे के खिलाड़ियों के लिए जाना जाएगा। यह क्षेत्र युवा प्रतिभावन खिलाड़ियों से पटा पड़ा है। श्री मेवाड़ ने विश्वास व्यक्त किया, आज का प्रसाद नैना लोक में प्रदेश से राष्ट्रीय तरर पर माझू का प्रसाद जलरूल हलगारा। मैच के सहायियों व आयोजकों की भूमि भूमि प्रांती की। आयोजक जितेंद्र कुमार ने इस मैच में मेरे क्षेत्र के लोगों का भरपूर सहयोग मिला है, तभी इन्हांने बड़ा आयोजन हो पाया है।

## मंडारा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़



भुरकुंडा (रामगढ़)। श्री 1008 श्री गुरु खेपा बाबा जी महाराज के सानान्ध में थाना मैदान भुरकुंडा में चल रहे नौ दिवसीय श्री

सहस्र महाराजी यज्ञ रविवार को हवन, पूर्णांतुरी और भव्य भदारा के साथ संपन्न हो गया। रविवार को यज्ञाचार्य आवार्य शारदेव गर्मा, राधेश्वरम दूरी, राघव पंडित, ब्रजभूषण तिवारी और आयुष पाटक ने वैदेश भंडोत्तरायर के बीच हवन, पूर्णांतुरी सहित अन्य अनुषान संपन्न कराया गये। इस दौरान यज्ञाचार्य विकास पांडेय, उपाध्यक्ष प्रवीण पांडेय, ओमपक्ष पांडेय, प्रकाश पांडेय, सुमन वत्स, शशि तिवारी, शुभम शास्त्री, नीरज शास्त्री, सत्यजीत पांडेय, कृपाचार्य मिश्रा, दीपू शास्त्री द्वारा यज्ञान बने रामकिशन प्रसाद, खेमलाल महतो, विनोद कुमार, कुशवाहा, हरि नारायण कुशवाहा, सीताराम कुशवाहा, नीरोद कुमार, कलश क्रास, अर्जुन महरू, बालो महतो, नेलवाल महतो, जाग महतो, सुखदेव प्रसाद, शशि शशि प्रसाद सप्तरीकों को वेदां पाठ, वेदी पूजन, मंडप, पूजन, हवन अन्नाधिवास, धूमांधिवास, पुष्पांधिवास, आरामदाह अनुषान कार्य संपन्न कराया गया। इधर नगर परिषद उपाध्यक्ष मोजोज कुमार महतो, आजसू माझू विधानसभा प्रभारी तिवारी महतो, जिला संगठन सचिव की भाँति विजय रिंग, सहित अन्य लोग शामिल थे।

## गांधी उच्च विद्यालय ने स्कॉलरशिप टेस्ट

भुरकुंडा। पटेलनगर भुरकुंडा स्थित कुमार वर्कासेस द्वारा संचालित कैरियर काउंसलिंग बोर्ड स्कॉलरशिप टेस्ट 2023 के द्वारा चरण के परीक्षा का रविवार को बिरसा चैक भुरकुंडा स्थित महात्मा गांधी उच्च विद्यालय देवरिया बर्गावा में हुआ। स्कॉलरशिप टेस्ट में 10वीं, 12वीं व स्नातक कक्ष में उत्तीर्ण हुए करीब 100 विद्यार्थी शामिल हुए। इस दौरान पहले चरण के स्कॉलरशिप टेस्ट परीक्षा में शामिल हुए बच्चों का बारी के कैरियर काउंसलिंग बोर्ड के अध्यक्ष डॉ। एसएस रिंग, सर्तम निन्हा एवं विद्यक विक्रम द्वारा कांसंसलिंग भी किया गया। इसमें 30 विद्यार्थी शामिल हुए। कांसंसलिंग में बच्चों को 10वीं और 12वीं के बाद के कार्स के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई।

## खबर मन्त्र संचालदाता











# विवाह के बाद बढ़ते विवाद के कानूनी पेंच



## फनीश्वसनाथ निलेष

क युवती की शादी उसके माता-पिता ने एक करोबारी लड़के से करा दी। लड़की रंगी के नामी कॉर्नेट स्कूल से पढ़ी थी जबकि लड़का सामान्य स्कूल से दिल्ली में पढ़ा लिया था। विवाह के मार छाड़ा भी बद ही लड़की का माता-पिता ने अपनी बेटी की दूसरी शादी का मन बन लिया। लड़की को ज्यादा विवाह न होने के बाद भी एक संस्कार का द्वारा यात्रा में एक बड़ी समस्या को जन्म दे रहा है। पूरे देश में इस प्रकार के एजस्टन का पाने के कारण विवाह का दृटा जारी है। निश्चित ही एक अच्छे अच्छे समाज विशेषकर भारतीय समाज जहां विवाह जन्म जन्मातर का संबंध मानकर निवार्ह किया जाता था वहां एक एक सामाजिक समस्या बनकर खड़ा हो गया है। एक दूसरे मामले में एक बड़े गंभीर के एक आईटी कंपनी में काम करने वाले पंकज को मां-बाप के दबाव में गांव की दूसरी से शादी करनी पड़ा। दोनों में नहीं बीनी लड़के ने लड़की को द्वारा छलपूर्ण आशय से परिपरत पक्ष को यह विश्वास दिलाना कि उनका विवाह विधिपूर्वक मान्य नहीं है।

आए दिन विवाह दृटने की ऐसी कई वजहें पढ़ने को मिलती है। अदालतें ऐसे मुकदमों से भरी पड़ी हैं।

■ धारा-497: जारकर्म।

■ धारा- 498: आपराधिक आशस से किसी पुरुष द्वारा विवाहित स्त्री को फुसलाना।

■ धारा-498 क: किसी विवाहित स्त्री पर पति या पति के नातेवार द्वारा क्रूरतापूर्ण व्यवहार।

**वैवाहिक मुकदमों की प्रकृति :** कानून वैवाहित स्थिति में स्त्री की सुख्ता का विशेष ख्याल रखा गया है। वैवाहिक मुकदमों की प्रकृति देखें तो अक्सर वधु पक्ष द्वारा वर पक्ष पर द्वेष प्रताङ्गना, शारीरिक शोषण और पुरुष के पक्ष से संबंध जैसे मामले दर्ज कराया जाते हैं, वर्ती वर पक्ष द्वारा ख्याल की किसी गैर मध्य से अवैध संबंध, मानसिक प्रताङ्गना जैसे मामले दर्ज कराने के मामले देखें गए हैं। वैसे कई वार अदालत में यह भी सावित हुआ है कि वधु पक्ष द्वारा वर पक्ष को तंग करने के लिए अक्सर द्वेष के मामले दर्ज कराया जाते हैं। तिहाइ के महिला जेल में घोटे-से बच्चे से लेकर 90 वर्ष की वृद्धि तक द्वेष द्वेष प्रताङ्गन के आराप में बढ़ते हैं।

**द्वेष है त्वी का :** द्वेष का अधिकार विवाह के संबंध में विधि द्वारा स्थापित कानून की जानकारी दे रहे हैं ताकि वैवाहिक शोषण से निपटने में इसकी जानकारी लोगों के काम आ सके।

## विवाह संबंधी अपराध की धारा 493 से 498 तक

■ धारा-493: स्त्री को इस विश्वास में रखकर सहवास कि वह पुरुष उससे विधिपूर्वक विवाहित है।

■ धारा-494: पति-पत्नी में से किसी एक के द्वारा दूसरे के जीवित रहने के बावजूद दूसरा विवाह

■ धारा-495: एक पक्ष द्वारा अपने पूर्ववर्ती विवाह को छुपाकर दोबारा से विवाह करना।

■ धारा- 496: लड़का या लड़की द्वारा छलपूर्ण आशय से परिपरत पक्ष को यह विश्वास दिलाना कि उनका विवाह विधिपूर्वक मान्य नहीं है।

इसका उग्रांचन दफा-406 के तहत अमानत में ख्याल रखा जा अपराध है, जिसके लिए जुर्माना और सजा दोनों का प्रावधान है। इस निर्णय की वजह से धारा-27 के समुचित व्याख्या ही गई है।

**कानून लौटी की सुरक्षा :** क्रिपिल अंडमंट एक्ट के द्वारा 498 के के अनुसार, एक विवाहित स्त्री में स्त्री की सुख्ता का विशेष ख्याल रखा गया है। वैवाहिक मुकदमों की प्रकृति देखें तो अक्सर वधु पक्ष द्वारा वर पक्ष पर द्वेष प्रताङ्गना, शारीरिक शोषण और पुरुष के पक्ष से संबंध जैसे मामले दर्ज कराया जाते हैं, वर्ती वर पक्ष द्वारा ख्याल की किसी गैर मध्य से अवैध संबंध, मानसिक प्रताङ्गना जैसे मामले दर्ज कराने के मामले देखें गए हैं। वैसे कई वार अदालत में यह भी सावित हुआ है कि वधु पक्ष द्वारा वर पक्ष को तंग करने के लिए अक्सर द्वेष द्वेष के मामले दर्ज कराया जाते हैं। तिहाइ के महिला जेल में घोटे-से बच्चे से लेकर 90 वर्ष की वृद्धि तक द्वेष द्वेष प्रताङ्गन के आराप में बढ़ते हैं।

**पत्नी द्वारा किया जाने वाला अत्याचार :** अदालत में स्त्री के मिली कानूनी सुरक्षा का माखौल उड़ते भी देखा गया है। अपने पूर्व से अवैध संबंध, जबरदस्ती विवाह, आपस में समाजस्य नहीं बैठें या किसी अन्य करारों से स्त्री इन सात वर्षों में आत्महत्या की धमकी देते हुए पति का प्रामाणिक शोषण करने की दोषी भी पाइ गई हैं। जबरदस्ती द्वेष प्रताङ्गन में पूरे परिवार को फँसाने के मामला आए इसने आत्महत्या के लिए जीवनसाथी का चुनाव लड़का-लड़की खुद करे यानी प्रेम विवाह करे और विवाह के लिए ही कम से कम सात साल तक दोनों अपने-अपने परिवार से अलग आशियाना बसाए। रेखा गया है कि परिवारिक हस्तक्षेप के कारण ही एक लड़का-लड़की का जीवन नरक बन जाता है और जबरदस्ती अंतर्गत हुआ लगता है और समाज उड़के पीछे चलता हुआ गतिहात होता है। असंख्य व्यक्ति समाज का प्रतिरूप होते हैं। व्यक्ति समाज से अलग-अपना अस्तित्व नहीं मानता और समाज भी उसे अपने से अलग नहीं होने देता है। व्यक्ति और समाज एक दूसरे के पूरक हैं, लेकिन दोनों में गजब का ढंग है। व्यक्ति समाज में रहकर ही व्यक्ति बनता है, पर उससे टक्करकर, पांग लेकर ही। समाज को समझना टेही खीर है। इसे जाने और पीने वाले कबीर या बुद्ध जैसे महान लोग अपने सिद्ध करते हैं, जिन्हें आज भी बड़े समान और गरिमा के साथ याद करते हैं तो इसलिए कि वे उसमें रहकर रसात दिखाने वाले रही, पथ प्रदर्शक होते हैं। वर्तमान समाज सदियों में बना है। यह असंख्य रूद्धियों, रीत-रिवाजों और परंपराओं का समुच्चय है। व्यक्ति और परिवार समाज का ही दर्पण है, जिसमें व्यक्ति समाज और अपने आईं की तह देख सकता है। व्यक्ति और समाज दोनों मिलकर इसे आकार देते हैं। व्यक्ति समाज में ही रहकर व्यक्तिका धनी कहताता है। महान व्यक्तिगत समाज को धनी देखता हुआ लगता है और समाज उड़के पीछे चलता हुआ गतिहात होता है। असंख्य व्यक्ति समाज का प्रतिरूप होते हैं। व्यक्ति समाज से अलग-अपना अस्तित्व नहीं मानता और समाज भी उसे अपने से अलग नहीं होने देता है। व्यक्ति और समाज एक दूसरे के पूरक हैं, लेकिन दोनों में गजब का ढंग है। व्यक्ति समाज में रहकर ही व्यक्ति बनता है, पर उससे टक्करकर, पांग लेकर ही। इसे जाने और पीने वाले कबीर या बुद्ध जैसे महान लोग अपने सिद्ध करते हैं, जिन्हें आज भी बड़े समान और गरिमा के साथ याद करते हैं। वर्तमान रहकर असंख्य रूद्धियों, रीत-रिवाजों और परंपराओं का समुच्चय है। व्यक्ति और परिवार समाज का ही दर्पण है, जिसमें व्यक्ति समाज और अपने आईं की तह देख सकता है। व्यक्ति और समाज दोनों मिलकर इसे आकार देते हैं। व्यक्ति समाज में ही रहकर व्यक्तिका धनी कहताता है। महान व्यक्तिगत समाज को धनी देखता हुआ लगता है और समाज उड़के पीछे चलता हुआ गतिहात होता है। असंख्य व्यक्ति समाज का प्रतिरूप होते हैं। व्यक्ति समाज से अलग-अपना अस्तित्व नहीं मानता और समाज भी उसे अपने से अलग नहीं होने देता है। व्यक्ति और समाज एक दूसरे के पूरक हैं, लेकिन दोनों में गजब का ढंग है। व्यक्ति समाज में रहकर ही व्यक्ति बनता है, पर उससे टक्करकर, पांग लेकर ही। इसे जाने और पीने वाले कबीर या बुद्ध जैसे महान लोग अपने सिद्ध करते हैं, जिन्हें आज भी बड़े समान और गरिमा के साथ याद करते हैं। वर्तमान रहकर असंख्य रूद्धियों, रीत-रिवाजों और परंपराओं का समुच्चय है। व्यक्ति और परिवार समाज का ही दर्पण है, जिसमें व्यक्ति समाज और अपने आईं की तह देख सकता है। व्यक्ति और समाज दोनों मिलकर इसे आकार देते हैं। व्यक्ति समाज में ही रहकर व्यक्तिका धनी कहताता है। महान व्यक्तिगत समाज को धनी देखता है और समाज उड़के पीछे चलता हुआ गतिहात होता है। असंख्य व्यक्ति समाज का प्रतिरूप होते हैं। व्यक्ति समाज से अलग-अपना अस्तित्व नहीं मानता और समाज भी उसे अपने से अलग नहीं होने देता है। व्यक्ति और समाज एक दूसरे के पूरक हैं, लेकिन दोनों में गजब का ढंग है। व्यक्ति समाज में रहकर ही व्यक्ति बनता है, पर उससे टक्करकर, पांग लेकर ही। इसे जाने और पीने वाले कबीर या बुद्ध जैसे महान लोग अपने सिद्ध करते हैं, जिन्हें आज भी बड़े समान और गरिमा के साथ याद करते हैं। वर्तमान रहकर असंख्य रूद्धियों, रीत-रिवाजों और परंपराओं का समुच्चय है। व्यक्ति और परिवार समाज का ही दर्पण है, जिसमें व्यक्ति समाज और अपने आईं की तह देख सकता है। व्यक्ति और समाज दोनों मिलकर इसे आकार देते हैं। व्यक्ति समाज में ही रहकर व्यक्तिका धनी कहताता है। महान व्यक्तिगत समाज को धनी देखता है और समाज उड़के पीछे चलता हुआ गतिहात होता है। असंख्य व्यक्ति समाज का प्रतिरूप होते हैं। व्यक्ति समाज से अलग-अपना अस्तित्व नहीं मानता और समाज भी उसे अपने से अलग नहीं होने देता है। व्यक्ति और समाज एक दूसरे के पूरक हैं, लेकिन दोनों में गजब का ढंग है। व्यक्ति समाज में रहकर ही व्यक्ति बनता है, पर उससे टक्करकर, पांग लेकर ही। इसे जाने और पीने वाले कबीर या बुद्ध जैसे महान लोग अपने सिद्ध करते हैं, जिन्हें आज भी बड़े समान और गरिमा के साथ याद करते हैं। वर्तमान रहकर असंख्य रूद्धियों, रीत